Prabhat Khabar (Date: - 07/01/2020)

पहल • मेडिकल कॉलेजों में अवकाशप्राप्त 700 से अधिक डॉक्टर नियोजित

राज्य में वरिष्ठ डॉक्टरों का रुका है पलायन

- अवकाशप्राप्त करनेवाले चिकित्सकों को भी 70 वर्ष तक मिल रहा है सेवा का अवसर

संवाददाता ▸ पटना

राज्य से वरिष्ठ चिकित्सकों का दूसरे राज्यों में होनेवाला पलायन बंद हुआ है. सरकारी सेवा में स्थायी नियुक्ति नहीं होने पर भी चिकित्सकों के लिए संविदा के अवसर प्राप्त हो रहे हैं. सबसे बड़ी बात है कि 67 वर्ष की आयु में मेडिकल कॉलेज अस्पतालों से अवकाशप्राप्त करनेवाले चिकित्सकों को भी 70 वर्ष तक सेवा का अवसर मिल रहा है. ऐसे चिकित्सकों को अच्छा मानदेय भी दिया जा रहा है. स्वास्थ्य विभाग द्वारा राज्य के विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में अवकाशप्राप्त करनेवाले 520 चिकित्सकों की संविदा पर नियुक्ति की है. इनमें 173 पदों पर प्रोफेसर और 347 पदों पर एसोसिएट प्रोफेसर की बहाली हुई है. इनके अलावा सौ से अधिक चिकित्सक शिक्षकों को निजी क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में सेवा का अवसर मिला है.

सरकार ने मानदेय की राशि में किया है काफी इजाफा

मेडिकल कॉलेजों से अवकाशप्राप्त करनेवाले चिकित्सक शिक्षक पहले राज्य को छोड़कर दूसरे प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में सेवा देने के लिए जाते थे. पिछले 10 वर्षों में पलायन की रफ्तार धीमी हुई है. राज्य सरकार द्वारा ऐसे चिकित्सकों के मानदेय की राशि भी बेहतर कर दी है. सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में संविदा पर नियुक्ति प्रोफेसर को एक लाख 32 हजार, तो एसोसिएट प्रोफेसर को 86 हजार 500 रुपये का मानदेय दिया जा रहा है.

विशेषज्ञ चिकित्सकों की संविदा पर हो रही नियुक्ति

अब राज्य में सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के अलावा निजी क्षेत्र के मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में भी प्राचार्य व अधीक्षक से लेकर हर विषय में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर के साथ सीनियर रेजिडेंट को रोजगार मिल रहा है. इसके अलावा इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, महावीर कैंसर संस्थान जैसे अच्छे संस्थानों में चिकित्सकों को सेवा का मौका मिल रहा है. इसी तरह से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक सामान्य और विशेषज्ञ चिकित्सकों को संविदा के तहत नियोजित किया जा रहा है.

Prabhat Khabar (Date: - 07/01/2020)

सुविधा ● कम खर्च में हो रही हैं जटिल सर्जरियां, मरीजों को बिहार से बाहर जाने की मजबूरी भी नहीं रही

जन्मजात रोगों का मुफ्त इलाज कर रहा आइजीआइएमएस

साकिब ▷ पटना

आइजीआइएमएस ने हाल के दिनों में कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं. पिछले एक महीने में ही यहां कई ऐसे जटिल ऑपरेशन हुए हैं, जो अब तक बिहार में पहले नहीं हुए थे. कई ऑपरेशन जो अब तक राज्य के चुनिंदा निजी अस्पतालों में होते थे, अब यहां भी होने लगे हैं. इसके चलते काफी महंगी मानी जाने वाली सर्जरी बिहार के मरीजों को कम खर्च में ही मिल रही है. साथ ही अब इसके लिए बिहार से बाहर जाने की मजबूरी भी नहीं रही. 16 वर्ष तक के बच्चों में अगर जन्मजात बीमारी है, तो उनके ऑपरेशन यहां निःशुल्क होते हैं.

बच्चों की होने लगी दिल की सर्जरी : सूबे में जन्म से ही दिल में सुराख वाले बच्चों की संख्या अधिक है. ऐसे बच्चों के इलाज में लाखों रुपये का खर्च आता है. आइजीआइएमएस में पिछले दिसंबर से इसके इलाज के लिए हार्ट सर्जरी होने लगी है. इससे पहले पटना में कुछ निजी अस्पतालों में भी यह सर्जरी 2 लाख होती थी. आइजीआइएमएस में अब बच्चों का यह ऑपरेशन बिल्कुल निःशुल्क हो सकता है. इसके कार्डियक सर्जरी विभाग में पहली बार दिसंबर में दो बच्चियों की यह हार्ट सर्जरी हुई. डॉ शील अवनीश के नेतृत्व में डॉ तुषार कुमार, डॉ एजे झा, डॉ माधव सिंह और डॉ रुचि सिंह, डॉ आलोक भारती और डॉ शशांक की टीम ने यह सर्जरी की थी.

पहली बार हुई खाने की नली के कैंसर की खास सर्जरी, बची मरीज की जान

31 दिसंबर, 2019 को आइजीआइएमएस के डॉक्टरों ने थोरैकोस्कोपिक इसोफेजेक्टोमी (की-होल) सर्जरी कर 50 वर्षीय कैंसर मरीज की जान बचा ली. एंडोस्कोपी और बायोप्सी के बाद मरीज को पता चला कि उसे खाने की नली का कैंसर है. उसका ट्यूमर काफी बड़ा है. कीमोथेरेपी के आठ राउंड देने के बाद इसका आकार कम हो गया, लेकिन कैंसर बना रहा. ऐसे में डॉक्टरों ने मरीज की थोरैकोस्कोपिक इसोफेजेक्टोमी विधि से कामयाब सर्जरी की. पहले इस तरह के मरीजों में ऑपरेशन करने के लिए छाती और पेट को चीरने की जरूरत होती थी. इसमें ऑपरेशन के बाद काफी दर्द और निमोनिया हो जाता था. जबकि इस नयी तकनीक से हुई सर्जरी में छोटे सुराख कर ही ऑपरेशन किया गया. परेशानी कम होती है.

मरीज का इलाज करती हुई डॉक्टरों की टीम.

पहली बार पूर्वी भारत में हुई बोन ब्रीज इंप्लांट सर्जरी : आइजीआइएमएस में तीन जनवरी को सात वर्षीय बच्चे के कान की जन्मजात बीमारी का ऑपरेशन इएनटी विभाग में किया गया. यह ऑपरेशन बोन ब्रीज इंप्लांट तकनीक से हुआ. इसे करने वाले डॉक्टरों का दावा है कि पूरे पूर्वोत्तर भारत में पहली बार यह सर्जरी हुई थी. इसके इएनटी विभाग ने हाल के वर्षों में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की है. अब यहां वैसी कई सर्जरी हो रही है, जो कुछ समय पहले तक दिल्ली जैसे महानगरों में ही होती थी.

Prabhat Khabar (Date: - 07/01/2020)

इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में देशी-विदेशी उद्यमियों ने कहा,

पटना के लोगों में क्वालिटी परखने की है बेहतर समझ

पटना . पटना के लोगों में क्वालिटी परखने की समझ है. इसलिए अच्छी चीजों की कीमत पर नहीं, उसकी क्वालिटी पर ध्यान दे रहे हैं. यह कहना है ईरान, अफगानिस्तान से विदेशी उद्यमियों के साथ देश के विभिन्न राज्यों से आये उद्यमियों का, जो इन दिनों ज्ञान भवन में लगे इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में अपना स्टॉल्स लगाये हुए हैं. यहां दो लाख तक के फर्नीचर, एक लाख रुपये की कालीन, एक लाख की फाउंटेन के अलावा कई महंगी चीजों की बिक्री हो रही है. हमने कुछ ऐसे ही उद्यमियों से बातें की–

ज्ञान भवन में लगे इंटरनेशनल मेगा ट्रेड फेयर में कालीन देखती युवतियां.